(c) The CPWD Mazdoor Union was granted provisional recognition subject to the results of the verification of membership of various Unions of the CPWD being undertaken by the Ministry of Labour.

Construction of a New Building in Karolbagh

3279. SHRI DHARAM CHANDER PRASHANT: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the old building on plot No. 16/11, W.E.A., Karolbagh, New Delhi has been recently demolished and work has begun on constructing a new building on that plot;

(b) whether the plan for the new construction, as sanctioned or sumbitted to the concerned authority, is for a commercial one; and

(c) if so, the reasons for permitting a commercial unit, on a plot marked for residential purpose?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI DALBIR SINGH): (a) It has been reported by the Municipal Corporation of Delhi that the old building on this plot has been demolished but the construction of a new building has not yet started.

(b) and (c) As per Zonal Plan, in Plot No. 16/11, Western Extension Area, Karol Bagh, the ground floor is permitted for commercial use and the upper floors are for residential use. The building plans submitted by the party envisaged construction of a residential building consisting of basement for domestic storage and ground, first and barsati floors for residential use. The plans have not yet been sanctioned.

अफीम सेवन-त्याग के लिए शिविर

3280. **श्री शरद यादव :** क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में अफीम सेवन त्याग के लिए शिविर आयोजित किये जा रहे हैं और यदि हां, तो कहां कहां ;

(ख) क्या इन शिविरों का आयोजन शासकीय तौर पर किया जाता है अथवा निजी संस्थाओं द्वारा ;

(ग) क्या निजी संस्थाओं द्वारा आयोजित ऐसे शिविरों को शासकीय मदद दी जाती है, यदि हां, तो किस आधार पर और कितनी ; और

(घ) इस हेतु भविष्य में शुरू की जाने वाली सरकारी योजनाओं का ब्यौरा क्या है ?

कल्याण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री गिरधर गोमांगो) : (क) से (घ) कल्याण मंत्रालय अभी तक, स्वैच्छिक संगठनों के अफीम निर्व्यसन शिविर समेत मादक द्रव्य की लत छुड़ाने वाले 22 शिविरों का वित्त-पोषण किया है । अभी तक ये शिविर राजस्थान कर्णाटक तथा दिल्ली में लगाए गए हैं । शिविरों तथा दी गई सहायता संबंधी विवरण संग्लन हैं । शिविर लगाने के लिए स्वैच्छिक संगठनों के प्रस्तावों की जांच उसके फील्ड अनुभव तथा लत छुड़ाने और संगठन क्षमता के आधार पर की जाती है । यह सहामता जारी रखने की विचारहै।